जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *डॉ. मुमताज अहमद खान*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 34
दिनांक 07.03.2022

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ेंगे कृषि व्यवसाय प्रबंधन के अवसर

कृषि विवि में तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल हुए 5 जिलों के किसान

जबलपुर 07 मार्च। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन के मार्गदर्शन में व्यवसाय प्रबंधन एवं विकास इकाई द्वारा कृषि एवं कृषि पर आधारित व्यवसायों को बढ़ावा देने हेतु तीन दिवसीय ''ग्रामीण क्षेत्र में कृषि व्यवसाय प्रबंधन और अवसर'' विषय पर आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें सीहोर, उज्जैन, रायसेन, भोपाल, अगर–मालवा आदि जिलों से 35 किसानों ने भाग लिया है। उन्हें विशेषज्ञ डॉ. पी.बी. शर्मा ने प्राकृतिक कृषि के तहत प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग के साथ–साथ गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्राप्त करने के गुर सिखाये, जबकि श्री दीपक पाल ने एफ.पी.ओ. बनाने और शासन योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

द्वितीय चरण में किसानों को प्रत्यक्ष रूप से श्री अम्बिका पटेल के औषधीय पौध प्रक्षेत्र एवं प्रसंस्करण इकाई का भ्रमण कराया गया। जहॉ पर किसानों ने स्टीविया की खेती के साथ–साथ उसकी प्रोसेसिंग और उससे निर्मित उत्पादों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। कृषि विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित जवाहर मॉडल के प्रक्षेत्र का भी भ्रमण किया, जहॉ प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. मोनी थॉमस ने कम क्षेत्र में कम लागत पर अधिक से अधिक फसलों का उत्पादन और अरहर पर लाख उत्पादन की तकनीक सिखाई।

बायोफर्टिलाईजर उत्पादन इकाई, जैविक कीटनाशक उत्पादन इकाई बीज उत्पादन इकाई और बीज संग्रहालय का भ्रमण भी किया और कृषि क्षेत्र में जैव उत्पादों के उपयोग और उनसे होने वाले लाभ के बारे में जाना। कार्यक्रम के अन्त में अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने किसानों को जैविक खेती के साथ–साथ प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर होने के लिये प्रेरित किया।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी द्वारा किसानों को अपनी लागत में कमीं और अधिक उत्पादन लेने के लिए कृषि की नई उन्नत तकनीकों को अपनाने हेतु अग्रसित होने के लिये मार्गदर्शित किया। संचालक, कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान डॉ. एस.बी. नहातकर द्वारा कार्यक्रम में सम्मलित सभी किसान भाईयों को कृषि से जुड़े अन्य व्यवसायों को अपनी कृषि के साथ–साथ अपनाकर अपनी आय को बढ़ाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का संचालन सहा. प्राध्यापक डॉ. अनुपमा वर्मा एवं आभार प्रदर्शन श्री दीपक पाल ने किया गया। इस कार्यक्रम में व्यवसाय योजना एवं विकास इकाई तथा आर.के.व्ही.वाय. रफ्तार के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे।

–000–